ART INTEGRATED LEARNING ACTIVITIES

शिखर 7

पाठ 1: फूल और काँटा

1. **रचनात्मक कोना:** तुम्हें कौन-सा फूल सबसे अधिक पसंद है? उसकी विशेषताएँ लिखिए। **(पेज 8)**
2. निम्नलिखित दोहे का भावार्थ अध्यापक/अध्यापिका से जानो और इसके रचनाकार का नाम भी पता कीजिए –

   बड़ा हुआ तो क्या हुआ जैसे पेड़ खजूर ।

   पंथी को छाया नहीं फल लागे अति दूर ।। **(पेज 8)**

पाठ 2: नादान दोस्त

1. **रचनात्मक कोना:** अंडे देने वाले किन्हीं पाँच जीवों के नाम पता कीजिए। यह भी पता करो कि सबसे बड़ा अंडा किस पक्षी का होता है। **(पेज 18)**
2. 'सालिम अली' प्रसिद्ध पक्षी विज्ञानी थे। उनकी जीवनी पढ़िए। **(पेज 18)**
3. 'गौरैया' को दिल्ली का राजकीय पक्षी घोषित किया गया है। धीरे-धीरे गौरैयाँ लुप्त होती जा रही हैं, इन्हें बचाने के लिए क्या प्रयास किए जा रहे हैं? इस संबंध में इंटरनेट से जानकारी प्राप्त कीजिए। साथ ही, गौरैया पक्षी से संबंधित जानकारी भी एकत्र कीजिए। **(पेज 18)**

पाठ 3: बड़े भाई को पत्र

1. **रचनात्मक कोना:** यदि तुम किसी काम को करने के लिए अपने बड़े भाई से अनुमति माँगो पर वे तुम्हें अनुमति न दें, तब उनके प्रति तुम्हारा व्यवहार कैसा होगा – क्या तुम उनसे नाराज़ हो जाओगे, ज़िद करोगे अथवा यह सोच रखते हुए समझ जाओगे कि बड़े छोटों के लिए सदैव अच्छा ही करते हैं? अपने विचार से कक्षा को अवगत कराइए। **(पेज 22)**

पाठ 4: न्याय-मंत्री

1. **रचनात्मक कोना:** हमारे देश में सबसे बड़ा न्यायालय नई दिल्ली स्थित 'सुप्रीम कोर्ट' अर्थात् 'सर्वोच्च न्यायालय' है। इस न्यायालय में प्रधान न्यायाधीश की नियुक्ति किस प्रकार होती है, इसके बारे में पता करो। यह भी पता करो कि वर्तमान में सर्वोच्च न्यायालय के प्रधान न्यायाधीश के पद पर कौन आसीन हैं। **(पेज 29)**
2. इस पाठ को नाटक के रूप में कक्षा में मंचन कीजिए। **(पेज 29)**
3. 'फ़ास्ट ट्रैक कोर्ट' के बारे में जानकारी प्राप्त करके इसपर एक परियोजना भी तैयार कीजिए। **(पेज 29)**

पाठ 5: ऐसे थे पंडित रविशंकर

1. **रचनात्मक कोना:** पंडित रविशंकर महान सितारवादक थे। इसी प्रकार शहनाईवादन, संतूरवादन, तबलावादन आदि से संबंधित कुछ महान संगीतज्ञों के नाम पता कीजिए और उनपर आधारित एक रिपोर्ट तैयार कीजिए। **(पेज 36)**
2. कक्षा के बच्चों को पाँच समूहों में बाँट दीजिए। प्रत्येक समूह चार-चार पंक्तियों की कविता बनाइए। अब कक्षा में कवि गोष्ठी आयोजित कीजिए, जिसमें प्रत्येक समूह का नेता अपनी कविता सुनाएगा। **(पेज 36)**

पाठ 7: मेरा नया बचपन

1. **रचनात्मक कोना:** जब मैं छोटा बच्चा था।' ' ' इसके बाद की यादें कक्षा में सुनाइए। **(पेज 44)**

पाठ 8: अंतिम युद्ध

1. **रचनात्मक कोना:** रानी लक्ष्मीबाई की वीरता से संबंधित कोई कविता कक्षा में सुनाइए। **(पेज 52)**
2. रानी लक्ष्मीबाई ने सन् 1857 के स्वतंत्रता संग्राम में भाग लिया था। इस संग्राम में बिहार में बाबू कुँवर सिंह ने भी अपनी वीरता का परिचय दिया था। उनकी जीवनी पढ़िए। **(पेज 52)**

पाठ 9: ईमानदार बालक

1. **रचनात्मक कोना:** नीचे दिए गए चित्र को देखिए और लगभग साठ शब्दों में इसका वर्णन कीजिए। **(पेज 59)**

पाठ 10: सत्साहस

1. **रचनात्मक कोना:** 'आल्हा-ऊदल' ने भी अपनी मातृभूमि की रक्षा के लिए युद्ध में लड़ते-लड़ते प्राण गँवा दिए थे। उनकी कहानी पढ़िए। **(पेज 65)**
2. 'सच्ची वीरता' – इस विषय पर एक अनुच्छेद लिखिए। **(पेज 65)**

पाठ 11: भारत की अग्नि-पुत्री

1. **रचनात्मक कोना:** डॉ॰ ए॰पी॰जे॰ अब्दुल कलाम को 'मिसाइल मैन' कहा जाता है। उनकी आत्मकथा 'विंग्स ऑफ़ फ़ायर' या 'अग्नि की उड़ान' पढ़िए। **(पेज 71)**
2. 'भारत और विज्ञान' इस विषय पर कक्षा में परिचर्चा आयोजित कीजिए। **(पेज 71)**
3. टेस्सी थॉमस को 'अग्नि-पुत्री' के नाम से जाना जाता है। ऐसी ही कुछ अन्य भारतीय महिलाओं के नाम नीचे दिए जा रहे हैं, जिन्हें उनकी कला या साहस के आधार पर कुछ उपनाम दिए गए हैं। उनके ये उपनाम पता करके लिखिए – **(पेज 71)**

पाठ 13: गिरिधर की कुंडलियाँ

1. **रचनात्मक कोना:** 'कबीर' ने कहा है –

   काल्ह करै सो आज कर, आज करै सो अब्ब।
   पल में परलै होयगी, बहुरि करैगा कब्ब।।

   इस दोहे के संदर्भ में कक्षा में चर्चा कीजिए। **(पेज 80)**
2. पता कीजिए कि 'कुंडलियाँ' और 'चौपाइयाँ' में क्या अंतर होता है। **(पेज 80)**

पाठ 14: अक्षय धन

1. **रचनात्मक कोना:** डिप्टी साहब अपनी नौकरी से संतुष्ट थे इसलिए वे पदोन्नति के प्रस्तावों को ठुकराते रहे। तुम्हारे विचार से, ऐसा करना ठीक था या गलत? कक्षा में बताइए। **(पेज 90)**
2. कहा जाता है कि 'विद्या ऐसा धन है जो बाँटने से कभी समाप्त नहीं होता।' इस उक्ति पर आधारित एक अनुच्छेद लिखिए। **(पेज 90)**

पाठ 15: प्रधानमंत्री का चुनाव

1. **रचनात्मक कोना:** 'यदि मैं प्रधानमंत्री होता . . .' – इसके बाद की पंक्तियाँ सोचकर एक अनुच्छेद लिखिए। **(पेज 97)**

2. इस पाठ को वार्तालाप के रूप में कक्षा में अभिनयसहित सुनाइए। **(पेज 97)**

3. समाचारपत्र में छपी एक खबर नीचे दी गई है। इसके आधार पर एक परिचर्चा आयोजित कीजिए जिसका विषय हो, 'मीडिया की भूमिका' – **(पेज 97)**

पाठ 16: ओज़ोन की छतरी

1. **रचनात्मक कोना:** ओज़ोन की परत में छिद्र होने के कारण इससे होने वाले दुष्प्रभावों के बारे में जानकारी प्राप्त कीजिए। **(पेज 105)**

2. इस पाठ को नाटक के रूप में परिवर्तित कीजिए। इसके लिए कक्षा के बच्चे सामूहिक रूप से प्रयास कीजिए। वे पर्यावरण के प्रति जागरूकता फैलाने के लिए विद्यालय के समारोह में इसका मंचन कीजिए। **(पेज 105)**

पाठ 17: हिंद महासागर का रत्न

1. **रचनात्मक कोना:** विभिन्न स्रोतों से मॉरीशस में रहने वाले लोगों के रहन-सहन, खान-पान, संस्कृति आदि के बारे में जानकारी प्राप्त कर एक परियोजना तैयार कीजिए। **(पेज 113)**

2. 'परी' शब्द को अंग्रेज़ी में 'फ़ेयरी' कहा जाता है। यह फ़्रांसीसी भाषा के शब्द 'फ़ी' से लिया गया है जिसका अर्थ होता है – 'भ्रम'। प्राचीन काल में फ़्रांस में जादूगरी में निपुण महिला को 'फ़ी' कहा जाता था। इसी से मिलता-जुलता शब्द है – 'फ़ाटा'। इस शब्द का प्रयोग प्राचीन इटली में ऐसी महिला के लिए किया जाता था जो किसी अनजान देश से आकर अपनी सुंदरता तथा जादुई ताकत से सबका मन मोह लेती थी।

   यह सच है कि किसी ने परियों को नहीं देखा है। इसकी कल्पना तो प्राचीन काल में मानव ने की होगी और इससे जुड़ी कहानियाँ गढ़ी होंगी। इन्हीं कहानियों के माध्यम से परियाँ सुंदरता और अच्छाई का प्रतीक बन गईं। बच्चों को परियों की कहानियाँ सुनाकर यह संदेश दिया जाता है कि जो लोग अच्छे होते हैं, उन्हें सभी प्यार करते हैं। अब परियों से संबंधित एक कहानी बनाकर कक्षा में सुनाइए। **(पेज 113)**

3. इंटरनेट या अन्य स्रोतों से पता कीजिए कि 'परी तालाब' का नाम ऐसा क्यों पड़ा। यह भी पता कीजिए कि अब इसे किस नाम से जाना जाता है। **(पेज 113)**

पाठ 19: सरिता का जल

1. **रचनात्मक कोना:** 'गंगा सफ़ाई अभियान' के बारे में जानकारी प्राप्त करके एक परियोजना तैयार कीजिए। **(पेज 121)**

2. 'जल है तो कल है' – इसी प्रकार के अन्य स्लोगन (नारे) लिखकर कक्षा में टाँगिए। **(पेज 121)**

पाठ 20: मुतांदी

1. **रचनात्मक कोना:** मान लीजिए, तुम शंकरन हो और तुम्हें मुतांदी को अपने बेटे के जन्म का समाचार देते हुए उसे जन्मदिन पर बुलाना है। इस आशय का पत्र लिखिए। **(पेज 129)**

2. यह कहानी एक दक्षिण भारतीय परिवार से संबंधित है। दक्षिण भारत के लोगों के रहन-सहन, खान-पान आदि के बारे में जानकारी प्राप्त करके एक परियोजना तैयार कीजिए। **(पेज 129)**

पाठ 21: नई सोच के धनी–स्टीव जॉब्स

1. **रचनात्मक कोना:** 'यदि कंप्यूटर का आविष्कार नहीं होता तो क्या होता?' – इस विषय पर कक्षा में परिचर्चा आयोजित कीजिए। **(पेज 136)**

2. स्टीव जॉब्स की जीवनी पढ़िए। **(पेज 136)**

3. अंग्रेज़ी में एक प्रचलित कहावत है – 'वह व्यक्ति मूर्ख होता है जो यह नहीं जानता कि वह मूर्ख है।' इस कहावत पर अपनी राय व्यक्त कीजिए। **(पेज 136)**

पाठ 22: बोलने वाली रज़ाई

1. **रचनात्मक कोना:** 'होटल', 'मोटल', 'रेस्टोरेंट', 'ढाबा', 'धर्मशाला' और 'गेस्ट हाउस' के बारे में पता कीजिए और उनमें अंतर जानिए। **(पेज 143)**

2. 'ताज होटल में एक रात' – अपनी कल्पना से इस विषय पर एक संस्मरण लिखिए। **(पेज 143)**

पाठ 23: भारत-दर्शन

1. **रचनात्मक कोना:** भारत के उन पूर्वी राज्यों के नाम पता कीजिए जिन्हें 'सेवेन सिस्टर्स' अर्थात् 'सात बहनें' के नाम से जाना जाता है। उन राज्यों के रहन-सहन, खान-पान, संस्कृति आदि पर एक परियोजना तैयार कीजिए। **(पेज 149)**

2. 'पर्यटन के लाभ' – इस विषय पर एक अनुच्छेद लिखिए। **(पेज 149)**

ART INTEGRATED LEARNING ACTIVITIES

शिखर 7

शिक्षक संदर्शिका

पाठ 1: फूल और काँटा

1. **अध्यापन संकेत:** कविता का सस्वर वाचन करें। बच्चों से भी इसी प्रकार वाचन करवाएँ। कविता का मूल भाव समझाएँ। कठिन शब्दों के अर्थ बताएँ। कविता की पंक्तियों का भाव स्पष्ट करें –

मेह उनपर ..... होते नहीं। – इन पंक्तियों का भावार्थ है कि फूल और काँटा एक ही पौधे पर जन्म लेने, एक-सी वर्षा और हवा प्राप्त करने के बाद भी अपना अलग-अलग स्वभाव रखते हैं। इसी प्रकार एक ही घर में जन्म लेने तथा समान सुविधाएँ पाने पर भी एक माता-पिता की संतान एक जैसे स्वभाव की नहीं होती।

है खटकता ..... बड़प्पन की कसर। – इन पंक्तियों का भावार्थ यह है कि एक ही पौधे पर जन्म लेने वाले फूल और काँटा, अलग-अलग तरह की प्रतिक्रिया पाते हैं। फूल को सभी पसंद करते हैं। वह सभी की प्रशंसा पाता है तथा काँटा सभी का तिरस्कार पाता है। काँटे से सभी बचना चाहते हैं, उसे अपने से दूर करना चाहते हैं। इसी प्रकार यदि किसी व्यक्ति का स्वभाव या आचरण अच्छा नहीं है तो भले ही उसका कुल या खानदान कितना ही ऊँचा क्यों न हो, वह समाज में प्रशंसा तथा आदर-सम्मान नहीं पाता।

पाठ से संबंधित कुछ विशेष बातों पर बच्चों से विचार-विमर्श करें –

- क्या प्राकृतिक वस्तुओं का भी अलग-अलग स्वभाव होता है? यदि हाँ, तो यह कैसे पहचाना जाता है? सोचकर बताइए। बच्चों को बताएँ, ईश्वर ने प्रकृति की प्रत्येक वस्तु, पेड़-पौधे, जीव-जंतु सभी को भिन्न-भिन्न स्वभाव दिया है। जैसे काँटे का स्वभाव चुभना है लेकिन यदि सूक्ष्मता से समझा जाए तो काँटा फूल की रक्षा भी करता है। इसी प्रकार नारियल का स्वभाव कोमल होता है पर वह ऊपर से कठोर दिखाई देता है तथा नीम और करेला की प्रकृति या स्वभाव तो कड़वा ही होता है परंतु ये बहुत ही गुणकारी होते हैं।
- 'जिस प्रकार का व्यवहार हम अपने लिए दूसरों से चाहते हैं हमें भी उनके साथ वैसा ही व्यवहार करना चाहिए।' तुम्हारी दृष्टि में क्या यह कथन वास्तव में व्यावहारिक है? क्या लोग ऐसा ही करते हैं?

डिजीडिस्क (DigiDisc) के माध्यम से कविता की ई-बुक विद्यार्थियों को दिखाकर कविता के प्रत्येक अंग का स्पष्टीकरण कीजिए। गतिविधियों की दुनिया से परिचय भी कराइए। **(पेज 51)**

पाठ 2: नादान दोस्त

1. **अध्यापन संकेत:** पाठ का आदर्श वाचन करें। बच्चों से भी पाठ के एक-एक अंश का वाचन करवाएँ। उन्हें पाठ का मूल भाव बताने को कहें। बच्चों को प्रेमचंद जी के बारे में जानकारी दें कि उन्हें हिंदी साहित्य में 'कथा सम्राट' के रूप में जाना जाता है। प्रेमचंद के साहित्य में बच्चों, बड़े-बूढ़ों, पशु-पक्षियों आदि के प्रति मानवीय संवेदनाओं का भाव समाया हुआ है। बच्चों को बताएँ कि पशु-पक्षियों में भी संवेदनाएँ होती हैं तथा उनकी भी अपनी भिन्न-भिन्न प्रवृत्ति होती है। हमें पशु-पक्षियों से प्रेम करना चाहिए।

पाठ से संबंधित कुछ विशेष बातों पर बच्चों से विचार-विमर्श करें –

- कुछ पशु-पक्षियों की आदतों या स्वभाव के बारे में चर्चा करें। जैसे–कोयल कभी अपना घोंसला नहीं बनाती। वह सदैव अपने अंडे कौए या किसी अन्य पक्षी के घोंसले में देती है और मादा कौआ उन्हें अपने अंडे समझकर सेती है पर जब कोयल के अंडों में से बच्चे निकलते हैं तब वे बच्चे उन बाकी अंडों को नीचे गिरा देते हैं।
- बच्चों को बताएँ कि यह वैज्ञानिक रूप से प्रमाणित है कि पक्षी घोंसला केवल अंडे देने के लिए ही बनाते हैं।
- पशु-पक्षियों को देखकर तुम्हारे मन में भी कुछ जिज्ञासाएँ उत्पन्न होती होंगी? अपनी जिज्ञासाएँ सभी के साथ बाँटो।
- मान लो, केशव अंडों की सुरक्षा का प्रबंध करते समय यदि अंडों को न छूता, तब क्या होता! क्या तब भी चिड़िया अंडों को गिरा देती? सोचकर बताइए।

डिजीडिस्क (DigiDisc) के माध्यम से पाठ की ई-बुक विद्यार्थियों को दिखाकर पाठ के प्रत्येक अंग का स्पष्टीकरण कीजिए। गतिविधियों की दुनिया से परिचय भी कराइए। **(पेज 53)**

पाठ 3: बड़े भाई को पत्र

1. **अध्यापन संकेत:** बच्चों से पत्र का वाचन करवाएँ। उनसे इस पत्र से मिलने वाला संदेश पूछें। बच्चों को गोपाल कृष्ण गोखले तथा डॉ॰ राजेंद्र प्रसाद यादव के बारे में बताएँ। उन्हें बताएँ कि हमारे स्वतंत्रता सेनानियों ने देश को आज़ाद कराने के लिए न जाने कितने ही त्याग किए थे।

पाठ से संबंधित कुछ विशेष बातों पर बच्चों से विचार-विमर्श करें –

- बच्चों से पूछें, जिस तरह गोखले जी ने 'सर्वेंट्स ऑफ़ इंडिया सोसाइटी' बनाई, उसी प्रकार कुछ अन्य स्वतंत्रता सेनानियों ने भी स्वाधीनता आंदोलन के समय अपनी पार्टी अथवा दल बनाया था। उनके नाम बताइए।

  बच्चों को बताएँ कि नेताजी सुभाषचंद्र बोस ने 'आज़ाद हिंद फ़ौज' का गठन किया था।
- क्या कभी ऐसा हुआ है कि तुम कोई काम करना चाहते हो पर तुम्हारे घर के बड़े तुम्हें उस काम की अनुमति नहीं दे रहे हैं। तब तुम क्या करते हो? उन्हें मनाने का प्रयास करते हो, उनके समक्ष अपनी बात रखते हो अथवा मन मसोसकर रह जाते हो?
- क्या परिवार के प्रति अपने कर्तव्यों एवं दायित्वों का निर्वहन करना देश-सेवा करने के बराबर नहीं है? या फिर देश-सेवा तो करें परंतु अपने पारिवारिक दायित्वों को ताक पर रख दें, तब क्या ऐसी देश-सेवा सफल मानी जाएगी? तुम्हारी दृष्टि में क्या दोनों बातें सही हैं अथवा कोई मध्य का मार्ग भी है? बताइए।

डिजीडिस्क (DigiDisc) के माध्यम से पाठ की ई-बुक विद्यार्थियों को दिखाकर पाठ के प्रत्येक अंग का स्पष्टीकरण कीजिए। गतिविधियों की दुनिया से परिचय भी कराइए। **(पेज 55)**

पाठ 4: न्याय-मंत्री

1. **अध्यापन संकेत:** पाठ का आदर्श वाचन करें। बच्चों से पाठ के एक-एक अंश का वाचन करवाएँ। पाठ में आए कठिन शब्दों का अर्थ बताएँ। बच्चों से पाठ के मूल भाव या संदेश के बारे में पूछें। बच्चों को बताएँ कि यह पाठ न्याय एवं न्यायालयों के ऊपर विश्वास रखने तथा सकारात्मक सोच रखने की सीख दे रहा है। पाठ में निहित जीवन-मूल्यों को बच्चों में विकसित करें।

पाठ से संबंधित कुछ विशेष बातों पर बच्चों से विचार-विमर्श करें –

- किसी के काम में अथवा व्यवस्था या प्रशासन में दोष निकालना जितना सरल होता है, क्या उसे दोष

मुक्त करना उतना ही कठिन? तुम्हारी दृष्टि में यह कथन कहाँ तक सही अथवा गलत है। या फिर तुम कुछ अलग सोचते हो। अपने विचार रखो।

- न्याय-मंत्री शिशुपाल ने राजा के स्थान पर उनकी मूर्ति को दंड देकर क्या वास्तव में उचित न्याय किया? तुम क्या सोचते हो?
- भारत की वर्तमान न्याय प्रणाली के बारे में तुम क्या सोचते हो? अपने सुझावों से सभी को अवगत कराओ।
- फ़ास्ट ट्रैक कोर्ट के बारे में भी बच्चों से चर्चा करें। छोटे-छोटे विवादों को निपटाने के लिए आजकल लोक अदालत का भी काफ़ी प्रचलन है।
- बच्चों को बताएँ कि आज भी बहुत से गाँव ऐसे हैं जहाँ कोर्ट-कचहरी के स्थान पर वहाँ की पंचायत फैसला करती है और उसका निर्णय ही सर्वोपरि माना जाता है।

डिजीडिस्क (DigiDisc) के माध्यम से पाठ की ई-बुक विद्यार्थियों को दिखाकर पाठ के प्रत्येक अंग का स्पष्टीकरण कीजिए। गतिविधियों की दुनिया से परिचय भी कराइए। **(पेज 57)**

पाठ 5: ऐसे थे पंडित रविशंकर

1. **अध्यापन संकेत:** पाठ का आदर्श वाचन करें। बच्चों से भी पाठ पढ़वाएँ। पाठ के महत्वपूर्ण अंश को समझाएँ। कठिन शब्दों के अर्थ बताएँ। बच्चों को पंडित रविशंकर के व्यक्तित्व से परिचित करवाएँ। उन्हें बताएँ कि पंडित जी ने सितार वाद्ययंत्र को विदेशों तक पहुँचाया। जब भी सितार का नाम आता है तो सबसे पहले पंडित रविशंकर का नाम उभरकर आता है। सितार और पंडित रविशंकर एक-दूसरे के पूरक माने जाते हैं।

   पाठ से संबंधित कुछ विशेष बातों पर बच्चों से विचार-विमर्श करें –

   - बच्चों से पूछें, तुम्हें कौन-सा वाद्ययंत्र पसंद है? क्या तुम भी कोई वाद्ययंत्र बजाना जानते हो?
   - 'सादा जीवन उच्च विचार' से तुम क्या समझते हो?
   - सितारवादन के अलावा अन्य वाद्ययंत्रों के बारे में भी चर्चा करें। इन वाद्ययंत्रों से जुड़े विशिष्ट कलाकारों के नाम से भी बच्चों को परिचित कराएँ। जैसे – शहनाईवादन – उस्ताद बिस्मिल्ला खाँ, तबलावादन – जाकिर हुसैन, बाँसुरीवादन – हरीप्रसाद चौरसिया।

   डिजीडिस्क (DigiDisc) के माध्यम से पाठ की ई-बुक विद्यार्थियों को दिखाकर पाठ के प्रत्येक अंग का स्पष्टीकरण कीजिए। गतिविधियों की दुनिया से परिचय भी कराइए। **(पेज 59)**

पाठ 6: मैं लेखक बन गया

1. डिजीडिस्क (DigiDisc) के माध्यम से पाठ की ई-बुक विद्यार्थियों को दिखाकर पाठ के प्रत्येक अंग का स्पष्टीकरण कीजिए। गतिविधियों की दुनिया से परिचय भी कराइए। **(पेज 60)**

पाठ 7: मेरा नया बचपन

1. **अध्यापन संकेत:** कविता का सस्वर वाचन करें। बच्चों से भी सस्वर वाचन करवाएँ। बच्चों से कविता के मूल भाव पर चर्चा करें। उन्हें बताएँ कि यह कविता बचपन की यादों से संबंधित है। किसी के भी जीवन में उसके बचपन से जुड़ी यादें उसकी स्मृति में सदा संचित रहती हैं। बच्चों से उनके बचपन से जुड़ी कोई विशेष बात या आदत जो उन्हें याद हो, बताने को कहें। कविता की पंक्तियों का भावार्थ स्पष्ट करें –

   आ जा बचपन! ..... विश्रांति। – इन पंक्तियों का भावार्थ यह है कि लेखिका अपने

बचपन के दिनों को याद करते हुए उन्हें दोबारा बुला रही हैं क्योंकि बचपन में किसी बात की कोई चिंता नहीं होती। बचपन सभी परेशानियों और दुखों से मुक्त होता है। बड़ा हो जाने पर जीवन चिंताओं तथा परेशानियों से घिर जाता है। मन की शांति कहीं खो जाती है। काश बचपन फिर से लौट आए और उसके साथ लौट आए वह प्राकृतिक शांति जो प्रत्येक बालक के मन में होती है।

वह भोली-सी ..... संताप? – इन पंक्तियों में लेखिका बचपन की विशेषताएँ बताते हुए कहती हैं कि बचपन बहुत भोला और सीधा-सरल होता है। बचपन में बालक के अंदर किसी प्रकार की कोई चालाकी नहीं होती। बचपन सभी बुराइयों से दूर होता है। लेखिका कहती हैं कि आज मेरा मन दुखी है। ऐसे में मेरे बचपन क्या तू फिर से आकर मेरे जीवन का दुख-संताप मिटा सकता है?

पाठ से संबंधित कुछ विशेष बातों पर बच्चों से विचार-विमर्श करें –

- अपने घर-परिवार या पड़ोस में किसी छोटे बालक की कोई शरारत देखकर या फिर उनकी कोई विशेष आदत देखकर क्या तुम्हें भी अपने बचपन की शैतानियाँ याद हो आती हैं?
- आजकल छोटे-छोटे बच्चों से घरों, दुकानों, ढाबों आदि में काम करवाया जाता है। जोकि कानूनी रूप से गलत है। इस तरह बाल मज़दूरी करवाकर लोग उन बच्चों से उनका बचपन छीन रहे हैं। जब वे बच्चे बड़े होंगे तो उनके पास उनके बचपन की मधुर स्मृतियों के स्थान पर कटु अनुभव ही होंगे। इस बारे में तुम क्या सोचते हो? उन बच्चों का बचपन बचाने के लिए तथा बालश्रम को रोकने के लिए तुम क्या सुझाव देना चाहोगे?

डिजीडिस्क (DigiDisc) के माध्यम से पाठ की ई-बुक विद्यार्थियों को दिखाकर पाठ के प्रत्येक अंग का स्पष्टीकरण कीजिए। गतिविधियों की दुनिया से परिचय भी कराइए। **(पेज 61)**

पाठ 8: अंतिम युद्ध

1. **अध्यापन संकेत:** पाठ का आदर्श वाचन करें। बच्चों से पाठ का एक-एक अंश पढ़वाएँ। पाठ के महत्वपूर्ण अंशों एवं पंक्तियों का अर्थ समझाएँ। कठिन शब्दों का अर्थ बताएँ। उन्हें रानी लक्ष्मीबाई के बारे में बताएँ कि जब वे मात्र चार वर्ष की थीं तब उनकी माता का देहांत हो गया था। रानी लक्ष्मीबाई का पालन-पोषण उनके नाना के घर हुआ। बचपन में लोग उन्हें 'मनु' तथा 'छबीली' नामों से पुकारते थे। उनका विवाह झाँसी के राजा गंगाधर राव के साथ हुआ था। झाँसी की रानी लक्ष्मीबाई एक निडर वीरांगना थीं। उन्होंने अंग्रेज़ों की अधीनता स्वीकार नहीं की और झाँसी को बचाने के लिए अपने प्राण तक न्योछावर कर दिए।

   पाठ से संबंधित कुछ विशेष बातों पर बच्चों से विचार-विमर्श करें –

   - बच्चों से भारत की कुछ और वीरांगनाओं के नाम पूछें।
   - पूछें, रानी लक्ष्मीबाई तुम्हें किस प्रकार प्रेरित करती हैं।

   डिजीडिस्क (DigiDisc) के माध्यम से पाठ की ई-बुक विद्यार्थियों को दिखाकर पाठ के प्रत्येक अंग का स्पष्टीकरण कीजिए। गतिविधियों की दुनिया से परिचय भी कराइए। **(पेज 63)**

पाठ 9: ईमानदार बालक

1. **अध्यापन संकेत:** पाठ का आदर्श वाचन करें। बच्चों से पाठ का एक-एक अंश पढ़वाएँ। पाठ के महत्वपूर्ण अंशों का अर्थ समझाएँ। बच्चों को पाठ का मूल भाव समझाएँ। पाठ में निहित जीवन-मूल्यों को बच्चों में विकसित करें।

   पाठ से संबंधित कुछ विशेष बातों पर बच्चों से विचार-विमर्श करें –

   - पूछें, तुम्हें यह कहानी कैसी लगी।

- समझाएँ कि जीवन में जो भी काम करो पूरी मेहनत, लगन एवं ईमानदारी से करो। ईमानदार व्यक्ति सदैव समाज में सम्मान पाता है।
- क्या कभी तुम्हारे साथ ऐसा हुआ है कि तुम्हें बस में, रास्ते में या अन्य किसी स्थान पर, किसी का पर्स अथवा कोई अन्य वस्तु पड़ी मिली हो तब तुमने उसका क्या किया?

डिजीडिस्क (DigiDisc) के माध्यम से पाठ की ई-बुक विद्यार्थियों को दिखाकर पाठ के प्रत्येक अंग का स्पष्टीकरण कीजिए। गतिविधियों की दुनिया से परिचय भी कराइए। **(पेज 65)**

पाठ 10: सत्साहस

1. **अध्यापन संकेत:** पाठ का आदर्श वाचन करें। पाठ के महत्वपूर्ण गद्यांशों की व्याख्या करें। पाठ में निहित जीवन मूल्यों को बच्चों में विकसित करें तथा बच्चों से पाठ का मूल भाव बताने को कहें।

पाठ से संबंधित कुछ विशेष बातों पर बच्चों से विचार-विमर्श करें –

- मनुष्य का सर्वोपरि गुण कौन-सा है?
- तुम्हारी दृष्टि में सच्चे साहसी में कौन-कौन से गुण होने चाहिए?
- क्या निर्बल पर अपना बल आज़माना साहस की श्रेणी में आएगा!

डिजीडिस्क (DigiDisc) के माध्यम से पाठ की ई-बुक विद्यार्थियों को दिखाकर पाठ के प्रत्येक अंग का स्पष्टीकरण कीजिए। गतिविधियों की दुनिया से परिचय भी कराइए। **(पेज 67)**

पाठ 11: भारत की अग्नि-पुत्री

1. **अध्यापन संकेत:** पाठ का आदर्श वाचन करें। पाठ के मुख्य अंशों को समझाएँ। बच्चों को भारत की मिसाइल वुमन टेस्सी थॉमस के बारे में बताएँ। साथ ही, भारत की अन्य प्रभावशाली महिलाओं के बारे में भी जानकारी दें।

पाठ से संबंधित कुछ विशेष बातों पर बच्चों से विचार-विमर्श करें –

- पूछें, वे कल्पना चावला तथा सुनीता विलियम्स के बारे में क्या जानकारी रखते हैं?
- भारत के 'मिसाइल मैन' कौन कहे जाते हैं? उनकी आत्मकथा का नाम बताएँ।
- उन्हें बताएँ कि अग्नि-5 भारत की प्रथम अंतरमहाद्वीपीय बैलिस्टिक मिसाइल है। इसकी मारक क्षमता पाँच हज़ार किलोमीटर तक है।

डिजीडिस्क (DigiDisc) के माध्यम से पाठ की ई-बुक विद्यार्थियों को दिखाकर पाठ के प्रत्येक अंग का स्पष्टीकरण कीजिए। गतिविधियों की दुनिया से परिचय भी कराइए। **(पेज 69)**

पाठ 12: धरती बचाओ

1. डिजीडिस्क (DigiDisc) के माध्यम से पाठ की ई-बुक विद्यार्थियों को दिखाकर पाठ के प्रत्येक अंग का स्पष्टीकरण कीजिए। गतिविधियों की दुनिया से परिचय भी कराइए। **(पेज 70)**

पाठ 13: गिरिधर की कुंडलियाँ

1. **अध्यापन संकेत:** प्रस्तुत कुंडलियों का सस्वर वाचन करें। बच्चों को भी इसी प्रकार वाचन करने के लिए प्रेरित करें। उन्हें गिरिधर कविराय के बारे में बताएँ। हिंदी काव्य साहित्य में गिरिधर जी की कुंडलियाँ एक विशेष स्थान रखती हैं। नीतिपरक और सद्व्यवहार की सीख देने वाली उनकी कुंडलियों में गहरी से गहरी बात को भी बहुत ही सरलता से पाठक के मन में रोपने का प्रयास किया जाता है। कुंडलियों का भाव स्पष्ट करें –

पानी बाढ़ो ..... अपनो पानी। – इन पंक्तियों का भावार्थ यह है कि जिस प्रकार नाव में पानी भर जाने पर उसे डूबने से बचाने के लिए दोनों हाथों से पानी उलीचना पड़ता है। उसी प्रकार यदि किसी व्यक्ति के पास आवश्यकता से अधिक धन है तो उसे उस धन को परोपकार के काम में लगाना चाहिए, यही एक सज्जन की पहचान होती है। सज्जन व्यक्ति नि:स्वार्थ भाव से दूसरों का हित करता है तथा दूसरों की सेवा-सहायता करने के लिए सदैव तत्पर रहता है। कवि गिरिधर कहते हैं कि बड़े-बुज़ुर्ग यही सीख देते हैं कि व्यक्ति अच्छे आचरण और व्यवहार से ही समाज में प्रशंसा एवं प्रतिष्ठा प्राप्त कर सकता है।

बिना बिचारे ..... जो बिना बिचारे। – इन पंक्तियों का भावार्थ है कि जो व्यक्ति किसी काम को बिना सोचे-समझे करता है, वह काम बिगड़ने पर अवश्य पछताता है। इस कारण न तो उसका काम ही सिद्ध हो पाता है तदुपरांत समाज में हँसी का पात्र भी बनता है। इस कारण उसे खाना-पीना, सम्मान, समारोह-सम्मेलन आदि कुछ भी अच्छे नहीं लगते। मन बेचैन रहता है। कवि गिरिधर कहते हैं कि बिना सोचे-विचारे किए गए काम से मिलने वाले दुख को टाला नहीं जा सकता तथा इससे उत्पन्न दुख और ग्लानि हृदय में खटकती रहती है।

पाठ से संबंधित कुछ विशेष बातों पर बच्चों से विचार-विमर्श करें –

- बच्चों को कुंडलियों की विशेषता बताएँ। बताएँ कि कुंडलियाँ जिस शब्द से शुरू होती है, उसी शब्द पर खत्म होती है। जैसे पाठ में दी गई दोनों कुंडलियों का प्रथम शब्द तथा अंतिम शब्द 'पानी' तथा 'बिना बिचारे' एक ही है। इसके अतिरिक्त कुंडलियों में दूसरी पंक्ति के अंतिम शब्दों से तीसरी पंक्ति की शुरुआत होती है।

डिजीडिस्क (DigiDisc) के माध्यम से पाठ की ई-बुक विद्यार्थियों को दिखाकर पाठ के प्रत्येक अंग का स्पष्टीकरण कीजिए। गतिविधियों की दुनिया से परिचय भी कराइए। **(पेज 72)**

पाठ 14: अक्षय धन

1. **अध्यापन संकेत:** पाठ का आदर्श वाचन करें। पाठ के महत्वपूर्ण अंशों को समझाएँ। बच्चों से एक आदर्श शिक्षक के गुण बताने को कहें। उन्हें पाठ का मूल भाव समझाएँ। पाठ में निहित जीवन-मूल्यों को बच्चों में विकसित करें।

पाठ से संबंधित कुछ विशेष बातों पर बच्चों से विचार-विमर्श करें –

- तुम्हारी दृष्टि में ऐसे कौन-कौन से गुण हैं जो अक्षय हैं?
- तुम क्या सोचते हो, अनुशासन का पालन क्या केवल विद्यार्थी जीवन में ही करना आवश्यक होता है? क्या इसकी आवश्यकता जीवन के प्रत्येक क्षेत्र में नहीं रहती?
- डिप्टी साहब मुंशी निरंजनलाल अपनी पदोन्नति के अवसर ठुकराते रहे। तुम्हें क्या लगता है ऐसा करके उन्होंने सही किया?
- क्या वर्तमान समय में भी कोई व्यक्ति डिप्टी साहब की तरह इतना संतोषी हो सकता है, जो अपनी तरक्की को यों अस्वीकार करता रहे और यदि कोई व्यक्ति ऐसा करता भी है तो उसकी विचारधारा या सोच कैसी होती होगी? अपने विचार से उत्तर दीजिए।

डिजीडिस्क (DigiDisc) के माध्यम से पाठ की ई-बुक विद्यार्थियों को दिखाकर पाठ के प्रत्येक अंग का स्पष्टीकरण कीजिए। गतिविधियों की दुनिया से परिचय भी कराइए। **(पेज 74)**

पाठ 15: प्रधानमंत्री का चुनाव

1. **अध्यापन संकेत:** पाठ का आदर्श वाचन करें। बच्चों से पाठ का एक-एक अंश पढ़वाएँ। उन्हें पाठ

का मूल भाव समझाएँ तथा इस पाठ के लेखक व्यंग्यकार शरद जोशी के व्यक्तित्व से अवगत कराएँ। बताएँ कि शरद जोशी हिंदी के प्रसिद्ध व्यंग्यकार होने के साथ-साथ एक पत्रकार एवं पटकथा लेखक भी थे। इनके व्यंग्य में समाज और व्यवस्था पर कटाक्ष होता है।

पाठ से संबंधित कुछ विशेष बातों पर बच्चों से विचार-विमर्श करें –

- पूछें, प्रधानमंत्री का चुनाव कैसे किया जाता है तथा प्रधानमंत्री को पद और गोपनीयता की शपथ कौन दिलवाता है?
- मध्यावधि चुनाव कब होते हैं?
- लोकसभा चुनाव में कोई भी दल या पार्टी कितनी सीटें मिलने पर सरकार बनाने का दावा पेश करती है?
- भारतीय प्रशासन की ऐसी कौन-सी दो बातें हैं जो तुम्हें सबसे अच्छी या खराब नज़र आती हैं?

डिजीडिस्क (DigiDisc) के माध्यम से पाठ की ई-बुक विद्यार्थियों को दिखाकर पाठ के प्रत्येक अंग का स्पष्टीकरण कीजिए। गतिविधियों की दुनिया से परिचय भी कराइए। **(पेज 77)**

पाठ 16: ओज़ोन की छतरी

1. **अध्यापन संकेत:** बच्चों से पाठ के एक-एक अंश का वाचन करवाएँ। पाठ के महत्वपूर्ण बिंदुओं को विस्तार से समझाएँ। बताएँ कि यह पाठ हमें पर्यावरण की सुरक्षा के प्रति जागरूक कर रहा है। बच्चों को हमारे वायुमंडल के संबंध में जानकारी दें। उन्हें समझाएँ कि ओज़ोन परत हमारे वायुमंडल के लिए क्यों आवश्यक है।

पाठ से संबंधित कुछ विशेष बातों पर बच्चों से विचार-विमर्श करें –

- पूछें, बाज़ार में बहुत से सौंदर्य प्रसाधनों पर तुमने न्ट च्तवजमबजपवद लिखा देखा होगा। क्या तुम इसका अर्थ जानते हो?
- ऐरोसोल युक्त इत्र तथा डियोडरेंट आजकल बाज़ार में उपलब्ध हैं और इन्हें खरीदने वाले भी भारी मात्रा में इनका उपयोग करते हैं। यदि इनसे ओज़ोन परत को खतरा है तो सरकार इन्हें बंद क्यों नहीं करती? तुम्हें क्या लगता है, इसका क्या कारण हो सकता है।
- बताएँ कि ए.सी. तथा रेफ्रीजरेटर से निकलने वाली क्लोरोफ्लोरोकार्बन गैस ओज़ोन परत को सबसे अधिक नुकसान पहुँचाती है।

डिजीडिस्क (DigiDisc) के माध्यम से पाठ की ई-बुक विद्यार्थियों को दिखाकर पाठ के प्रत्येक अंग का स्पष्टीकरण कीजिए। गतिविधियों की दुनिया से परिचय भी कराइए। **(पेज 78)**

पाठ 17: हिंद महासागर का रत्न

1. **अध्यापन संकेत:** पाठ का आदर्श वाचन करें। पाठ के महत्वपूर्ण अंशों को बच्चों को समझाएँ। विश्व के मानचित्र में मॉरीशस की स्थिति दिखाएँ। उन्हें बताएँ कि मॉरीशस में अधिकांशत: भारतीय मूल के लोग बसे हुए हैं। वहाँ की सभ्यता-संस्कृति, खान-पान, रहन-सहन पर भारत का गहरा प्रभाव है। शायद यही कारण है कि मॉरीशस को छोटा-सा हिंदुस्तान कहा जाता है।

पाठ से संबंधित कुछ विशेष बातों पर बच्चों से विचार-विमर्श करें –

- भारतीय सभ्यता-संस्कृति से तुम क्या समझते हो?
- क्या तुम्हें कभी अपने देश से बाहर जाने का अवसर मिला है। यदि हाँ, तो कहाँ? वहाँ की कुछ विशेष बात बताइए।

डिजीडिस्क (DigiDisc) के माध्यम से पाठ की ई-बुक विद्यार्थियों को दिखाकर पाठ के प्रत्येक अंग का स्पष्टीकरण कीजिए। गतिविधियों की दुनिया से परिचय भी कराइए। **(पेज 81)**

पाठ 18: आओ, बचपन बचाएँ

1. डिजीडिस्क (DigiDisc) के माध्यम से पाठ की ई-बुक विद्यार्थियों को दिखाकर पाठ के प्रत्येक अंग का स्पष्टीकरण कीजिए। गतिविधियों की दुनिया से परिचय भी कराइए। **(पेज 82)**

पाठ 19: सरिता का जल

1. **अध्यापन संकेत:** कविता का सस्वर वाचन करें। बच्चों से भी इसी प्रकार कविता वाचन करवाएँ। बच्चों से कविता का मूल भाव पूछें। कठिन शब्दों का अर्थ समझाएँ। कविता की पंक्तियों का भावार्थ समझाएँ–

निर्मल जल ..... बहता जल। – इन पंक्तियों का भावार्थ यह है कि नदी का निर्मल एवं स्वच्छ जल तेज़ धारा के साथ बहता हुआ न जाने कितनी पर्वतशृंखलाएँ पार करता जाता है। इसकी धारा में बहुत शक्ति होती है। कभी धाराएँ अपने तीव्र वेग के कारण ऊँची-ऊँची उछाल भरती हैं, कभी एकदम शांत हो जाती हैं परंतु फिर भी लगातार बहती जाती हैं। छोटी-सी नदी का जल अपने अंदर न जाने कितना वेग समाए हुए है।

मिलता है ..... बहता जल। – इन पंक्तियों का भावार्थ यह है कि नदी के बहते हुए जल को रास्ते में बाधा के रूप में न जाने कितने पत्थर मिलते हैं। अपने रास्ते की बाधाओं को देखते ही नदी की धारा क्रोध और दुख से बेचैन हो उठती है और ज़ोर-ज़ोर से शोर करते हुए बार-बार उन पत्थरों पर टक्कर मारती है। वह निरंतर अपने रास्ते की बाधाओं को हटाने का प्रयास करती रहती है। नदी की धारा की तरह हमें भी अपने रास्ते में आने वाली बाधाओं को दूर करने का प्रयत्न करते रहना चाहिए।

हिम के पत्थर ..... बहता जल। – इन पंक्तियों का भावार्थ यह है कि पर्वत-पहाड़ से बर्फ़ पिघल-पिघलकर धरती पर जल की निर्मल धारा बनकर बहती है। लगातार बहते हुए भी नदी का जल बहुत ही शीतल और स्वच्छ रहता है जिसे पीकर राही अपनी प्यास बुझाता है और सुख-संतोष पाता जाता है।

कितना कोमल ..... बहता जल। – इन पंक्तियों का भावार्थ यह है कि गंगा, यमुना, सरयू आदि सभी नदियाँ जिन्हें हम अपनी माँ कहते हैं, अपने हृदय में कितनी कोमलता, कितनी करुणा, कितना वात्सल्य लिए हैं इसका पता इन नदियों के शीतल जल के स्पर्श मात्र से हो जाता है। ये नदियाँ युगों-युगों से बहती आ रही हैं और मानव को अपना स्नेह-ममत्व देती आ रही हैं। इन पंक्तियों में छिपा मूल भाव यह है कि नदियों को हम अपनी माँ मानते हैं परंतु फिर भी उन्हें प्रदूषित कर रहे हैं। हमें नदियों को प्रदूषित होने से बचाना होगा।

पाठ से संबंधित कुछ विशेष बातों पर बच्चों से विचार-विमर्श करें –

- नदियों के प्रदूषित होने के क्या-क्या कारण है? बताइए।
- मानव ने अपने लिए सभी सुविधाएँ जुटा ली हैं। मान लो, यदि सारी नदियाँ सूख जाएँ, तब क्या होगा! क्या मानव इसका भी कोई उपाय ढूँढ़ सकता है? सोचकर बताइए।
- बहता हुआ जल स्वच्छ होता है। ऐसा क्यों? यदि जल एक ही स्थान पर रुका रहे तब क्या वह स्वच्छ नहीं रहेगा?

डिजीडिस्क (DigiDisc) के माध्यम से पाठ की ई-बुक विद्यार्थियों को दिखाकर पाठ के प्रत्येक अंग का स्पष्टीकरण कीजिए। गतिविधियों की दुनिया से परिचय भी कराइए। **(पेज 83)**

पाठ 20: मुतांदी

1. **अध्यापन संकेत:** पाठ का आदर्श वाचन करें। बच्चों से पाठ के एक-एक अंश का वाचन करवाएँ। पाठ के महत्वपूर्ण अंशों का सरलीकरण कर बच्चों को समझाएँ। बच्चों को इस कहानी के लेखक तथा भारत के अंतिम वायसराय सी. राजगोपालाचारी के बारे में जानकारी दें। उनसे पाठ का मूल भाव पूछें। कठिन शब्दों के अर्थ बताएँ।

पाठ से संबंधित कुछ विशेष बातों पर बच्चों से विचार-विमर्श करें –

- यह कहानी तुम्हें कैसी लगी? इससे तुम्हें क्या सीख मिली?
- तुम स्कूल के विभिन्न कर्मचारियों जैसे सफ़ाई कर्मचारी, बस चालक आदि तथा घर के काम-काज में सहायता करने के लिए रखे गए व्यक्तियों के साथ कैसा व्यवहार करते हो तथा उन्हें क्या कहकर संबोधित करते हो?

डिजीडिस्क (DigiDisc) के माध्यम से पाठ की ई-बुक विद्यार्थियों को दिखाकर पाठ के प्रत्येक अंग का स्पष्टीकरण कीजिए। गतिविधियों की दुनिया से परिचय भी कराइए। **(पेज 85)**

पाठ 21: नई सोच के धनी–स्टीव जॉब्स

1. **अध्यापन संकेत:** बच्चों को पाठ का मौन पठन करने के लिए कहें। इसके उपरांत पाठ का आदर्श वाचन करें। बीच-बीच में आए महत्वपूर्ण अंशों का अर्थ समझाएँ। बच्चों से स्टीव जॉब्स के बारे में पूछें। पाठ में निहित जीवन-मूल्यों को बच्चों में विकसित करें। कठिन शब्दों का अर्थ बताएँ।

पाठ से संबंधित कुछ विशेष बातों पर बच्चों से विचार-विमर्श करें –

- पूछें, 'स्मार्ट फ़ोन' किसे कहते हैं। ये कैसे काम करते हैं?
- बच्चों से कुछ ऐसी प्रसिद्ध हस्तियों के नाम बताने को कहें जिन्होंने फ़र्श से अर्श तक का सफ़र तय किया। जैसे – धीरू भाई अंबानी, एम॰डी॰एच॰ कंपनी के संस्थापक महाशय धर्मपाल, 'इंफोसिस' कंपनी के संस्थापक एन. आर. नारायण मूर्ति आदि।
- बच्चों को समझाएँ, यदि व्यक्ति में अपने लक्ष्य को पाने का जज़्बा हो तो राह की बड़ी से बड़ी बाधा भी छोटी दिखाई देने लगती है। हमें परिश्रम से पीछे नहीं हटना चाहिए और न ही नकारात्मक विचारों को अपने पास आने देना चाहिए।

डिजीडिस्क (DigiDisc) के माध्यम से पाठ की ई-बुक विद्यार्थियों को दिखाकर पाठ के प्रत्येक अंग का स्पष्टीकरण कीजिए। गतिविधियों की दुनिया से परिचय भी कराइए। **(पेज 87)**

पाठ 22: बोलने वाली रज़ाई

1. **अध्यापन संकेत:** पाठ का आदर्श वाचन करें। बच्चों से पाठ का मौन पठन करवाएँ। कठिन शब्दों का अर्थ बताएँ तथा पाठ के महत्वपूर्ण अंशों का सरलीकरण करके समझाएँ। पाठ में निहित जीवन-मूल्यों को बच्चों में विकसित करें।

पाठ से संबंधित कुछ विशेष बातों पर बच्चों से विचार-विमर्श करें –

- पूछें, यह पाठ क्या शिक्षा दे रहा है?
- तुम्हारी दृष्टि में मनुष्य का एक-दूसरे के प्रति कैसा व्यवहार होना चाहिए? हमारे अंदर मनुष्यता का बोध होना कितना ज़रूरी है?

डिजीडिस्क (DigiDisc) के माध्यम से पाठ की ई-बुक विद्यार्थियों को दिखाकर पाठ के प्रत्येक अंग का स्पष्टीकरण कीजिए। गतिविधियों की दुनिया से परिचय भी कराइए। **(पेज 89)**

पाठ 23: भारत-दर्शन

1. **अध्यापन संकेत:** पाठ का आदर्श वाचन करें। पाठ के महत्वपूर्ण अंशों को समझाएँ। कठिन शब्दों का अर्थ बताएँ।

   पाठ से संबंधित कुछ विशेष बातों पर बच्चों से विचार-विमर्श करें –

   - पूछें, तुम अपने शहर से दूर कहाँ-कहाँ घूमने जा चुके हो? वहाँ की कुछ विशेषताएँ भी बताइए।
   - भारत को 'अतुल्य भारत' क्यों कहा जाता है?
   - भिन्न-भिन्न स्थानों पर घूमकर हम क्या जान पाते हैं?

   डिजीडिस्क (DigiDisc) के माध्यम से पाठ की ई-बुक विद्यार्थियों को दिखाकर पाठ के प्रत्येक अंग का स्पष्टीकरण कीजिए। गतिविधियों की दुनिया से परिचय भी कराइए। **(पेज 91)**

पाठ 24: आज़ादी की पहली रात

1. डिजीडिस्क (DigiDisc) के माध्यम से पाठ की ई-बुक विद्यार्थियों को दिखाकर पाठ के प्रत्येक अंग का स्पष्टीकरण कीजिए। गतिविधियों की दुनिया से परिचय भी कराइए। **(पेज 92)**